ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

🧘‍♀️ *मंसा सेवा के मोती* 🧘‍♂️

🌹 *मैं श्रेष्ठ आत्मा परमपिता परमात्मा की छत्रछाया के नीचे बैठकर यह शुभ संकल्प करती हूं कि-* 🌹

शिव बाबा प्रकृति के पांचों तत्वों सहित जगत की समस्त आत्माओं का कल्याण हो जाए।

!! *ओम शांति*!!

💁‍♂️ *(यह सेवा दिन में कई बार करना है)*

Quotes Creator

धन साथ देगा पुण्य है जब तक... परिवार साथ देगा स्वार्थ है जब तक ... शरीर साथ देगा आयु है जब तक... परंतु पुण्य साथ देंगे युगो युगो तक...।

श्रेष्ठ प्रेरणा

किसी भी कार्य को करने में अपनी तरफ से पूरी कोशिश करें... और फिर निश्चिंत होकर.. बाकी भगवान को करने दें...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

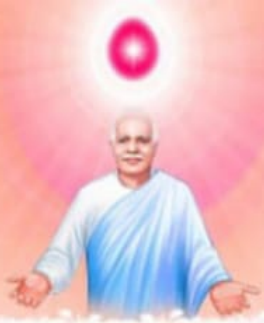

अव्यक्त शिक्षाएँ

सोचते सब हैं करते भी सब हैं लेकिन कोई-कोई हैं जो सोचते और करते एक ही समय पर हैं। अर्थात सोचना और करना साथ-साथ है, वह सम्पन्न बन जाते हैं और कोई-कोई है जो सोचते हैं और करते भी हैं लेकिन सोचने और करने के बीच में मार्जिन रह जाती है। सोचते बहुत अच्छा हैं लेकिन करते कुछ समय के बाद हैं। उसी समय नहीं करते हैं। इसलिए संकल्प मे जो उस समय की तीव्रता, उमंग उल्लास, उत्साह होता है वह समय पड़ने से परसेन्टेज कम हो जाती है। जैसे गर्म वा ताजी चीज़ का अनुभव और ठण्डी वा रखी हुई चीज़ का अनुभव में अन्तर आ जाता है ना! ताज़ी चीज़ की शक्ति और रखी हुई चीज की शक्ति में अन्तर पड़ जाता है ना! चीज़ कितनी भी बढ़िया हो लेकिन रखी हुई चीज़ उसकी रिजल्ट वही नहीं निकल सकती। ऐसे संकल्प जो करते हैं वह उसी समय प्रैक्टिकल में करना- उसकी रिजल्ट, और सोचना आज, करना कब उसकी रिजल्ट में अन्तर पड़ जाता है। बीच में समय की मार्जिन होने के कारण, एक तो सुनाया कि परसेन्टेज सब की कम हो जाती है। जैसे ताज़ी चीज के विटामिन्स में फर्क पड़ जाता है। दूसरा- मार्जिन होने के कारण समस्याओं रूपी विघ्न भी आ जाते हैं। इसलिए सोचना और करना साथ-साथ हो। इसको कहा जाता है " तुरन्त दान महापुण्य।" नहीं तो महापुण्य के बजाए पुण्य हो जाता है। तो अन्तर हो गया ना? महापुण्य की प्राप्ति और पुण्य की प्राप्ति में अन्तर हो जाता है। समझा कारण क्या है? छोटा सा कारण है। करते भी हो सिर्फ़ 'अब' के बजाए 'कब' करते हो इसलिए मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है।

अ.बापदादा-08.11.81

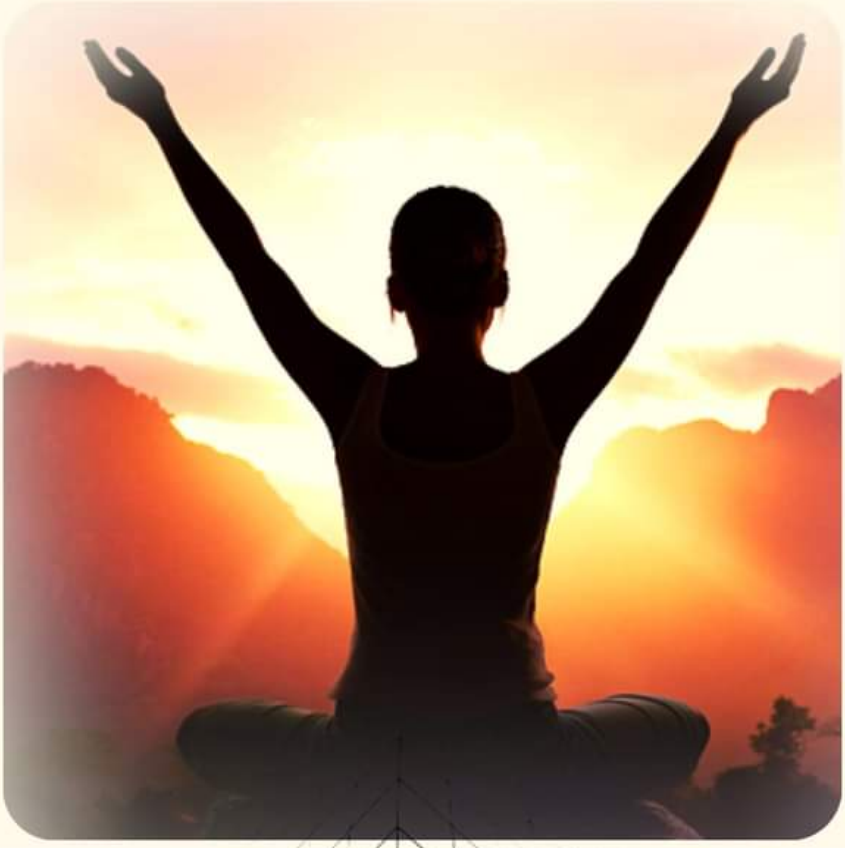

रिगार्ड रखना अर्थात् रिगार्ड लेना है। देना, लेना हो जाता है। एक देना और दस पाना है। सहज हुआ ना।

Avyakt Murli - 25-01-1979

BK SHIVANI

When someone is Angry,
we create Fear.
Anger is Weakness.

Why Fear a Weak Soul?
Have Compassion for them.
When they are angry,
create a thought -
"I am a Powerful Soul.
You are a Peaceful Soul.
I am Calm. I Accept you.
I Respect you."
Our Power heals their Pain.

ThinkRight.me

"Your Emotional Fitness App
Coming soon on your phone"

Shiv Shakti Pandav Sena

निर्विघ्न स्थिति द्वारा स्वयं के फाउन्डेशन को मजबूत बनाने वाले पास विद आनर भव

May you pass with honours by making your foundation strong with your stage of being free from obstacle

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org